चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक जागरण	18-4-25	3	5-6

हकृवि में कुलपति काम्बोज ने दूसरी पारी की शुरुआत की

जागरण संवाददाता • हिसार : कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज ने चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में वीरवार को दूसरी पारी की शुरूआत की।

प्रो. बीआर काम्बोज के कुशल नेतृत्व एवं मार्गदर्शन में विश्वविद्यालय ने कृषि शोध, शिक्षा, विस्तार एवं किसानों के हित में उत्कृष्ट कार्य किए गए हैं। विभिन्न क्षेत्रों में अर्जित की गई उपलब्धियों के कारण हकृवि ने राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय स्तर पर एक अलग पहचान बनाई है। प्रो. काम्बोज ने बताया कि विश्वविद्यालय ने प्रदेश की कृषि उत्पादकता बढ़ाने, कम पानी में अधिक पैदावार देने वाली किस्में विकसित करने व जलवायु परिवर्तन जैसे विषयों पर उत्कृष्ट कार्य किया। राष्ट्रीय मानचित्र पर विश्वविद्यालय ने लगातार उल्लेखनीय उपलब्धियां हासिल करके अपनी विशेष पहचान बनाई है।

हकृवि के कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज दूसरी बार कार्यभार संभालते हुए • विज्ञप्ति

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अमर उजाला	18-4-25	2	5-6

एचएयू के कुलपति के रूप में प्रो. कांबोज की दूसरी पारी का शुभारंभ

माई सिटी रिपोर्टर

हिसार। प्रो. बीआर कांबोज ने वीरवार को चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में कुलपति के रूप में दूसरी पारी की शुरुआत की। पहले कार्यकाल में उन्होंने कृषि शोध, शिक्षा, विस्तार एवं किसानों के हित में उत्कृष्ट कार्य किए।

उन्होंने बताया कि विश्वविद्यालय ने प्रदेश की कृषि उत्पादकता बढ़ाने, कम पानी में अधिक पैदावार देने वाली किस्में विकसित करने व जलवायु परिवर्तन जैसे विषयों पर उत्कृष्ट कार्य किया। राष्ट्रीय मानचित्र पर विश्वविद्यालय ने लगातार उल्लेखनीय उपलब्धियां हासिल करके अपनी विशेष पहचान बनाई है।

उन्होंने उपलब्धियों का श्रेय वैज्ञानिकों, शिक्षकों, गैर शिक्षक कर्मचारियों एवं किसानों को दिया। साथ ही भरोसा दिलाया कि भविष्य में भी किसानों की समृद्धि के लिए इसी प्रकार टीम भावना एवं आपसी तालमेल के साथ कार्य करने का आह्वान किया।विश्वविद्यालय को भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के राष्ट्रीय कृषि शिक्षा प्रत्यायन बोर्ड (नैब) की ओर से सर्वश्रेष्ठ ए प्लस ग्रेड दिया गया है।

एचएयू के कुलपति प्रो. बीआर कांबोज कार्यभार संभालते हुए। स्रोत : संस्थान

देशभर में केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय द्वारा वर्ष 2024 के लिए जारी नेशनल इंस्टीट्यूशनल रैंकिंग फ्रेमवर्क (एनआईआरएफ) में देश के कृषि विश्वविद्यालयों में एचएयू ने तीसरा स्थान प्राप्त किया।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
हिन्दुस्थान समाचार	17.04.25	--	--

एचएयू ने राष्ट्रीय मानचित्र पर लगातार उल्लेखनीय उपलब्धियां हासिल करके अपनी विशेष पहचान बनाई : प्रो. बीआर कम्बोज

17 Apr 2025 18:16:31

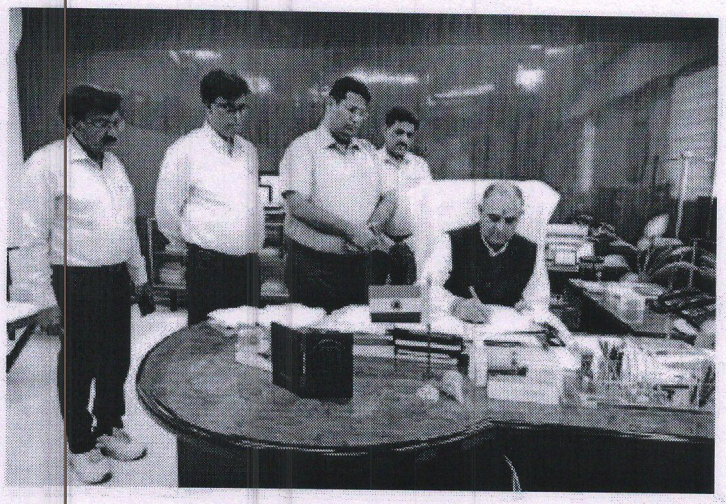

एचएयू कुलपति प्रो. बीआर कम्बोज ने की दूसरी पारी की शुरूआतहिसार, 17 अप्रैल (हि.स.)। हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बीआर कम्बोज ने कहा है कि विश्वविद्यालय ने प्रदेश की कृषि उत्पादकता बढ़ाने, कम पानी में अधिक पैदावार देने वाली किस्में विकसित करने व जलवायु परिवर्तन जैसे विषयों पर उत्कृष्ट कार्य किया है। राष्ट्रीय मानचित्र पर विश्वविद्यालय ने लगातार उल्लेखनीय उपलब्धियां हासिल करके अपनी विशेष पहचान बनाई है। कुलपति प्रो. बीआर कम्बोज गुरुवार को विश्वविद्यालय में दूसरी पारी की शुरूआत करने उपरांत बातचीती कर रहे थे। अधिकारियों, वैज्ञानिकों, कर्मचारियों, विद्यार्थियों व किसानों ने दूसरे कार्यकाल के शुभारंभ अवसर पर प्रो. बीआर कम्बोज को बधाई व शुभकामनाएं दी। प्रो. कम्बोज ने दूसरी बार कार्यभार संभालने के अवसर पर बताया कि वैज्ञानिकों, शिक्षकों, गैर शिक्षक कर्मचारियों एवं किसानों की बदौलत विश्वविद्यालय की राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहचान बनी है। कुलपति ने गत वर्षों के दौरान अर्जित की गई उपलब्धियों के लिए विश्वविद्यालय परिवार का धन्यवाद किया व भरोसा दिलाया कि भविष्य में भी किसानों की समृद्धि के लिए इसी प्रकार टीम भावना एवं आपसी तालमेल के साथ कार्य करने का आह्वान किया। उन्होंने राज्यपाल एवं विश्वविद्यालय के कुलाधिपति बंडारू दत्तात्रेय व मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी का धन्यवाद व आभार प्रकट किया।हकृवि ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर किए समझौतेकुलपति प्रो. बीआर कम्बोज के नेतृत्व में एचएयू ने वेस्टर्न सिडनी यूनिवर्सिटी, ऑस्ट्रेलिया, सोकोइन एग्रीकल्चरल यूनिवर्सिटी (एसयूए), तंजानिया, वारसॉ यूनिवर्सिटी ऑफ लाइफ साइंसेज (एसजीजीडब्ल्यू), पोलैंड, इंटरनेशनल मक्का और गेहूं सुधार केंद्र (सीआईएमएमवाईटी) आदि से एमओयू किए गए। विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए अंतरराष्ट्रीय स्तर की सुविधाएं प्रदान की जा रही हैं। यही वजह है कि न केवल राष्ट्रीय बल्कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी विश्वविद्यालय अपनी पहचान बनाए हुए है। गत वर्षों में विश्वविद्यालय द्वारा 142 विद्यार्थी व 36 वैज्ञानिकों को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कौशल विकास व प्रशिक्षण प्राप्त करने के लिए भेजा है।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
चिराग टाइम्स	17.04.2025	--	--

हकृवि कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने की दूसरी पारी की शुरूआत

चार वर्षों में प्रो. काम्बोज के नेतृत्व में हकृवि ने बनाई राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अलग पहचान

चिराग टाइम्स न्यूज

हिसार। कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में बीरवार को दूसरी पारी की शुरूआत की। प्रो. बी.आर. काम्बोज के कुशल नेतृत्व एवं मार्गदर्शन में विश्वविद्यालय ने कृषि शोध, शिक्षा, विस्तार एवं किसानों के हित में उत्कृष्ट कार्य किए गए हैं। विभिन्न क्षेत्रों में अर्जित की गई उपलब्धियों के कारण हकृवि ने राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय स्तर पर एक अलग पहचान बनाई है। अधिकारियों, वैज्ञानिकों, कर्मचारियों, विद्यार्थियों व किसानों ने दूसरे कार्यकाल के शुभारंभ अवसर पर प्रो. बी.आर. काम्बोज को बधाई व शुभकामनाएं दी।

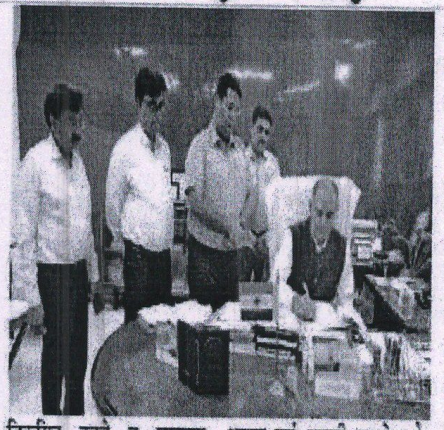

किसानों की समृद्धि के लिए हकृवि निरंतर प्रयासरत- प्रो. बी.आर. काम्बोज

प्रो. काम्बोज ने बताया कि विश्वविद्यालय ने प्रदेश की कृषि उत्पादकता बढ़ाने, कम पानी में अधिक पैदावार देने वाली किस्में विकसित करने व जलवायु परिवर्तन जैसे विषयों पर उत्कृष्ट कार्य किया। राष्ट्रीय मानचित्र पर विश्वविद्यालय ने लगातार उल्लेखनीय उपलब्धियां हासिल करके अपनी विशेष पहचान बनाई है। उन्होंने उपलब्धियों का श्रेय वैज्ञानिकों, शिक्षकों, गैर शिक्षक कर्मचारियों एवं किसानों को दिया। कुलपति ने गत वर्षों के दौरान अर्जित की गई उपलब्धियों के लिए विश्वविद्यालय परिवार का धन्यवाद किया व भरोसा दिलाया कि भविष्य में भी किसानों की समृद्धि के लिए इसी प्रकार टीम भावना एवं आपसी तालमेल के साथ कार्य करने का आह्वान किया। प्रो. काम्बोज ने प्रदेश के राज्यपाल एवं विश्वविद्यालय के कुलाधिपति श्री बंडारू दत्तात्रेय व मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी का धन्यवाद व आभार प्रकट किया।

हकृवि ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर किए समझौते

हकृवि ने वेस्टर्न सिडनी यूनिवर्सिटी, ऑस्ट्रेलिया, सोकोइन एग्रीकल्चरल यूनिवर्सिटी (एसएयू), तंजानिया, वारसॉ यूनिवर्सिटी ऑफ लाइफ साइंसेज (एसजीजीडब्ल्यू), पोलैंड, इंटरनेशनल मक्का और गेहूं सुधार केंद्र (सीआईएमएमवाईटी) आदि से एमओयू किए गए। विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए अंतर्राष्ट्रीय स्तर की सुविधाएं प्रदान की जा रही हैं। यही वजह है कि न केवल राष्ट्रीय बल्कि अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर भी विश्वविद्यालय अपनी पहचान बनाए हुए है। गत वर्षों में विश्वविद्यालय द्वारा 142 विद्यार्थी व 36 वैज्ञानिकों को अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर कौशल विकास व प्रशिक्षण प्राप्त करने के लिए भेजा है।

हकृवि में मत्स्य विज्ञान व बायोटेक्नोलॉजी महाविद्यालय की स्थापना की गई। सेंटर फार माइक्रोप्रोपेगेशन एंड डबल हेपलोएड उत्पादन की अंतर्राष्ट्रीय स्तर की अत्याधुनिक प्रयोगशाला का निर्माण किया गया जिससे गुणवत्तापूर्ण लाखों पौधे किसानों को उपलब्ध करवाये जाएंगे। हकृवि के एबिक द्वारा अब तक 250 इंक्यूबेटस को प्रशिक्षण व सहयोग दिया जा चुका है। इसके तहत 9 करोड़ से अधिक की राशि स्टार्टअप्स को दी जा चुकी है। विश्वविद्यालय द्वारा गत वर्षों में अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अर्जित की गई मुख्य उपलब्धियां विश्वविद्यालय को भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के राष्ट्रीय कृषि शिक्षा प्रत्यायन बोर्ड (नैब) की ओर से सर्वश्रेष्ठ ए प्लस ग्रेड दिया गया है। देशभर में केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय द्वारा वर्ष 2024 के लिए जारी नेशनल इंस्टीट्यूशनल रैंकिंग फ्रेमवर्क (एनआईआरएफ) में देश के कृषि विश्वविद्यालयों में हकृवि तीसरा स्थान प्राप्त किया तथा संस्थानों में सांतवा स्थान हासिल करके एक उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल की।

विश्वविद्यालय ने गत वर्षों में विभिन्न फसलों की 44 किस्में विकसित व अनुमोदित की हैं। एचएयू प्रदेश के 5 लाख किसानों से सीधे तौर पर जुड़ा हुआ है व उनको दैनिक आधार पर मौसम की स्टीक जानकारी उपलब्ध करवा रहा है। गोकलपुरा गांव में 63 एकड़ भूमि पर पोषक अनाज अनुसंधान केंद्र स्थापित किया गया। यह केंद्र बरानी क्षेत्रों के किसानों के लिए मोटे अनाज की फसलों को उन्नत प्रौद्योगिकी विकसित करके वरदान साबित होगा। वर्ष 2023 में विश्वविद्यालय को सरसों अनुसंधान एवं विकास कार्यों में उत्कृष्ट योगदान देने के लिए सर्वश्रेष्ठ केन्द्र अवार्ड, हकृवि के चारा व बाजरा अनुभाग को दूसरी बार राष्ट्रीय स्तर पर सर्वश्रेष्ठ अनुसंधान केन्द्र अवार्ड से नवाजा गया। विश्वविद्यालय के कृषि विज्ञान केन्द्र, महेन्द्रगढ़ को वर्ष 2022 में राष्ट्रीय स्तर पर सर्वश्रेष्ठ कृषि विज्ञान केन्द्र पुरस्कार से नवाजा गया।

शिक्षक संघ के पदाधिकारियों ने कुलपति के पिछले कार्यकाल में 150 से अधिक नए वैज्ञानिकों की भर्ती करने, वैज्ञानिकों की समयानुसार पदोन्नती करने, वैज्ञानिकों की अंतर्राष्ट्रीय संस्थानों में शोध संबंधी प्रशिक्षण करवाने व वैज्ञानिकों के लिए बनवाए जा रहे नए सरकारी आवासों के लिए उनका धन्यवाद किया।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
समस्त हरियाणा न्यूज	17.04.2025	--	--

हकृवि कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने की दूसरी पारी की शुरूआत

चार वर्षों में प्रो. काम्बोज के नेतृत्व में हकृवि ने बनाई राष्ट्रीय व अंतराष्ट्रीय स्तर पर अलग पहचान

समस्त हरियाणा न्यूज

हिसार। कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में वीरवार को दूसरी पारी की शुरूआत की। प्रो. बी.आर. काम्बोज के कुशल नेतृत्व एवं मार्गदर्शन में विश्वविद्यालय ने कृषि शोध, शिक्षा, विस्तार एवं किसानों के हित में उत्कृष्ट कार्य किए गए हैं। विभिन्न क्षेत्रों में अर्जित की गई उपलब्धियों के कारण हकृवि ने राष्ट्रीय व अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर एक अलग पहचान बनाई है। अधिकारियों, वैज्ञानिकों, कर्मचारियों, विद्यार्थियों व किसानों ने दूसरे कार्यकाल के शुभारंभ अवसर पर प्रो. बी.आर. काम्बोज को बधाई व शुभकामनाएं दी।

किसानों की समृद्धि के लिए हकृवि निरंतर प्रयासरत : प्रो. बी.आर. काम्बोज

प्रो. काम्बोज ने बताया कि विश्वविद्यालय ने प्रदेश की कृषि उत्पादकता बढ़ाने, कम पानी में अधिक पैदावार देने वाली किस्में विकसित करने व जलवायु परिवर्तन जैसे विषयों पर उत्कृष्ट कार्य किया। राष्ट्रीय मानचित्र पर विश्वविद्यालय ने लगातार उल्लेखनीय उपलब्धियां हासिल करके अपनी विशेष पहचान बनाई है। उन्होंने उपलब्धियों का श्रेय वैज्ञानिकों, शिक्षकों, गैर शिक्षक कर्मचारियों एवं किसानों को दिया। कुलपति ने गत वर्षों के दौरान अर्जित की गई उपलब्धियों के लिए विश्वविद्यालय परिवार का धन्यवाद किया व भरोसा दिलाया कि भविष्य में भी किसानों की समृद्धि के लिए इसी प्रकार टीम भावना एवं आपसी तालमेल के साथ कार्य करने का आह्वान किया। प्रो. काम्बोज ने प्रदेश के राज्यपाल एवं विश्वविद्यालय के कुलाधिपति श्री बंडारू दत्तात्रेय व मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी का धन्यवाद व आभार प्रकट किया।

हकृवि ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर किए समझौते

हकृवि ने वेस्टर्न सिडनी यूनिवर्सिटी, ऑस्ट्रेलिया, सोकोइन एग्रीकल्चरल

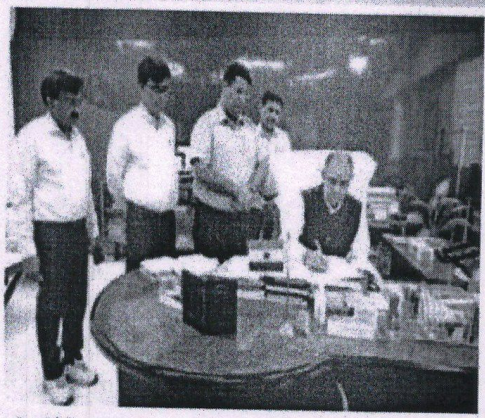

यूनिवर्सिटी (एसयूए), तंजानिया, वारसॉ यूनिवर्सिटी ऑफ लाइफ साईंसेज (एसजीजीडब्ल्यू), पोलैंड, इंटरनेशनल मक्का और गेहूं सुधार केंद्र (सीआईएमएमवाईटी) आदि से एमओयू किए गए। विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए अंतर्राष्ट्रीय स्तर की सुविधाएं प्रदान की जा रही हैं। यही वजह है कि न केवल राष्ट्रीय बल्कि अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर भी विश्वविद्यालय अपनी पहचान बनाए हुए है। गत वर्षों में विश्वविद्यालय द्वारा 142 विद्यार्थी व 36 वैज्ञानिकों को अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर कौशल विकास व प्रशिक्षण प्राप्त करने के लिए भेजा है। हकृवि में मत्स्य विज्ञान व बायोटेक्नोलॉजी महाविद्यालय की स्थापना की गई। सेंटर फार माइक्रोप्रोपेगेशन एंड डबल हेपलोएड उत्पादन की अंतर्राष्ट्रीय स्तर की अत्याधुनिक प्रयोगशाला का निर्माण किया गया जिससे गुणवत्तापूर्ण लाखों पौधें किसानों को उपलब्ध करवाये जाएगें। हकृवि के एबिक द्वारा अब तक 250 इंक्यूबेटस को प्रशिक्षण व सहयोग दिया जा चुका है। इसके तहत 9 करोड़ से अधिक की राशि स्टार्टअप्स को दी जा चुकी है।

विश्वविद्यालय द्वारा गत वर्षों में अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अर्जित की गई मुख्य उपलब्धियां

विश्वविद्यालय को भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के राष्ट्रीय कृषि शिक्षा प्रत्यायन बोर्ड (नैब) की ओर से सर्वश्रेष्ठ ए प्लस ग्रेड दिया गया है। देशभर में केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय द्वारा वर्ष 2024 के लिए जारी नेशनल इंस्टीट्यूशनल रैंकिंग फ्रेमवर्क (एनआईआरएफ)में देश के कृषि विश्वविद्यालयों में हकृवि तीसरा स्थान प्राप्त किया तथा संस्थानों में सांतवा स्थान हासिल करके एक उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल की। विश्वविद्यालय ने गत वर्षों में विभिन्न फसलों की 44 किस्में विकसित व अनुमोदित की हैं। एचएयू प्रदेश के 5 लाख किसानों से सीधे तौर पर जुड़ा हुआ है व उनको दैनिक आधार पर मौसम की स्टीक जानकारी उपलब्ध करवा रहा है। गोकलपुरा गांव में 63 एकड़ भूमि पर पोषक अनाज अनुसंधान केन्द्र स्थापित किया गया। यह केन्द्र बरानी क्षेत्रों के किसानों के लिए मोटे अनाज की फसलों की ऊन्नत प्रौद्योगिकी विकसित करके वरदान साबित होगा। वर्ष 2023 में विश्वविद्यालय को सरसों अनुसंधान एवं विकास कार्यों में उत्कृष्ट योगदान देने के लिए सर्वश्रेष्ठ केन्द्र अवार्ड, हकृवि के चारा व बाजरा अनुभाग को दूसरी बार राष्ट्रीय स्तर पर सर्वश्रेष्ठ अनुसंधान केन्द्र अवार्ड से नवाजा गया। विश्वविद्यालय के कृषि विज्ञान केन्द्र, महेन्द्रगढ़ को वर्ष 2022 में राष्ट्रीय स्तर पर सर्वश्रेष्ठ कृषि विज्ञान केन्द्र पुरस्कार से नवाजा गया। शिक्षक संघ के पदाधिकारियों ने कुलपति के पिछले कार्यकाल में 150 से अधिक नए वैज्ञानिकों की भर्ती करने, वैज्ञानिकों की समयानुसार पदोन्नती करने, वैज्ञानिकों की अंतर्राष्ट्रीय संस्थानों में शोध संबंधी प्रशिक्षण करवाने व वैज्ञानिकों के लिए बनवाए जा रहे नए सरकारी आवासों के लिए उनका धन्यवाद किया।